Shri Sharda Bhavan Education Society's

YESHWANT MAHAVIDYALAYA, NANDED.

VIP Road, Nanded - 431 602 (M.S.) India *(Affiliated to Swami Ramanand Teerth Marathwada University, Nanded)* **(Re-accredited by NAAC, as Grade 'A' College and a CPE status by UGC)**

Department of Hindi

Program Outcomes

Program Specific Outcomes of all Programs (UG) offered by the Department: -

B.A. Hindi:

1. हिंदी साहित्य की काव्य, कहानी, उपन्यास, नाटक और एकांकी आदि विधाओं से छात्र परिचित होंगे।
2. वर्तमान बेरोजगारी की समस्या को ध्यान में रखते हुए भाषाई शुध्दता एवं कुशलता के माध्यम से रोजगार के अवसर से छात्र परिचित होंगे।
3. जीवन मूल्यों की शिक्षा के साथ साथ व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।
4. साहित्य के माध्यम से छात्र स्वयं को समाज के सम्मुख उजागर कर सकेंगे।
5. प्रौद्योगिकी के युग में हिंदी भाषा की उपयोगिता के साथ साथ मिडीया लेखन, संभाषण कौशल, अभिनय, संवाद लेखन-वाचन आदि कौशल हाशिल होगा ।
6. छात्र अपनी उच्च शिक्षा हिंदी भाषा, साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, प्रयोजनमूलक हिंदी में कर सकते हैं।
7. राष्ट्रभाषा हिंदी में लेखन और संवाद करने की छात्रों की क्षमता में वृधि।

Program Specific Objectives

PSO I & III.

i) हिंदी साहित्य की कहानी और उपन्यास विधा से छात्रों को परिचित कराना।
ii) कथा साहित्य की लेखन शैली से परिचित कराना।
iii) कथा साहित्य के माध्यम से छात्रों को चिंतन तथा लेखन कौशल की क्षमता को विकसित करना।

iv) विविध पात्रों की मानसिकता एवं क्रिया कलापों से छात्रों में सही और गलत को परखने की क्षमता विकसित करना।

v) कथा साहित्य के माध्यम से छात्रों को विविध समस्याओं से अवगत कर उन समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें प्रेरित करना।

PSO II & IV.

i) नाटक और एकांकी विधा से परिचित करना।

ii) नाटक के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करना।

iii) संवाद लेखन-वाचन कौशल का विकास करना।

iv) रंगमंच से संबंधित जानकारी छात्रों को देना।

v) अभिनय के प्रति आकर्षण निर्माण करना।

PSO (SL)I&II.

i) द्वितीय भाषा के रूप में छात्रों को हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय देना।

ii) कालानुरूप कहानी और काव्य में आये परिवर्तन को समझना।

iii) कहानी और काव्य के माध्यम से छात्रों को परिष्कृत करना ।

iv) छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक ज्ञान से अवगत कराना।

v) हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करना।

vi) रचनाओं में व्यक्त समस्याओं के समाधान के लिए छात्रों को प्रेरित कर नैतिक मूल्यों को स्थापित करना।

PSO V&VII.

i) भारतीय भक्ति साधना का परिचय करना।

ii) भक्ति साहित्य के अध्ययन के माध्यम से छात्रों में मानवता का भाव विकसित करना।

iii) समाजिक सहिष्णुता की वृत्ति का विकास करना।

iv) भक्ति तथा नीति की शिक्षा से छात्रों का आत्मिक तथा अध्यात्मिक विकास करना।

v) जीवन दर्शन तथा जीवन मूल्यों का विकास करना।

vi) काव्य आस्वादन से मानवीय संवेदना का विकास करना।

PSO VI &VIII.

i) निबंध विधा का परिचय करना।

ii) विविध कथेत्तर गद्य की विधाओं का परिचय करना।

iii) कथेत्तर गद्य की रचनाओं के अध्ययन से चिंतनशीलता की वृध्दि करना।

iv) छात्रों में वैचारिक प्रगल्भता तथा बौध्दिक प्रौढता का विकास करना।

v) विविध कथेत्तर गद्य की विधाओं का परिचय कर कथेत्तर गद्य की रचनाओं के अध्ययन से चिंतनशीलता , वैचारिक प्रगल्भता तथा बौध्दिक प्रौढता का विकास करना।

PSO (SL) III&IV.

i) द्वितीय भाषा के छात्रों को हिंदी साहित्य के कथेत्तर गद्य विधा, प्रयोजनमूलक हिंदी का सामान्य परिचय देना।

ii) कथेत्तर गद्य के अध्ययन से छात्रों में चिंतनशीलता, वैचारिकता का विकास करना।

iii) प्रयोजनमूलक हिंदी के अध्ययन से रोजगार के अवसर का परिचय देना।

iv) मिडीया लेखन कौशल, इंटरनेट की उपयोगिता, वेब सर्चिंग, इ मेल निर्माण तथा प्रेषण आदि का परिचय कराना।

v) संवाद लेखन तथा वाचन कौशल का विकास कराना।

PSO(SEC) I & II

i) पत्र लेखन कौशल विकसित करना।

ii) कम्प्यूटर, ई-मेल आय.डी. पंजीकरण, मेल भेजने की विधी, वेब संर्चिग आदि का परिचय कराना।

iii) अच्छे वक्ता के गुणों को अत्मसात करते हुए संभाषण कौशल में उन्नती पाते हैं।

iv) पटकथा की संकल्पना और स्वरूप को जानते हुए संवाद किस ढंग के होते है और कैसे लिखे जाते है इस बात का कौशल आत्मसात करते हैं।

v) समाचार लेखन के क्षेत्र में समाचार लेखन की कला को विकसित करते हैं।

PSO IX.

i) हिंदी साहित्य के बृहत इतिहास का परिचय कराना।

ii) हिंदी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमि को समझना।

iii) साहित्यिक प्रवृत्तिओं की परम्परा को समझना।

iv) साहित्य के माध्यम से जीवनमूल्यों एवं जीवन दर्शन को समझना।

v) भाषाई शिल्प के परिवर्तनों को समझना।

vi) हिंदी साहित्य के आदिकाल तथा रीतिकाल का संक्षिप्त परिचय देना।

vii) भक्तिकाल तथा आधुनिक काल की प्रवृत्तियों से छात्रों को अवगत कराना।

PSO X.

i) हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करना।

ii) भाषा के स्वरूप को समझना।

iii) हिंदी भाषा के प्रयुक्ति क्षेत्रों का परिचय कराना।

iv) भाषाई वैविध्य वाले भारत देश में हिंदी के महत्व को समझाना।

v) प्राद्योगिकी के युग में हिंदी भाषा की उपयोगिता को समझाना।

vi) हिंदी की संवैधानिक स्थिती से छात्रों को अवगत कराना।

PSO XI.

i) साहित्य का शास्त्रीय पध्दति से अध्ययन करना।

ii) साहित्यशास्त्र के महत्व को प्रतिपादित करना।

iii) छात्रों में साहित्य के प्रति शास्त्रीय दृष्टिकोन विकसित करना।

iv) शब्द और अर्थो के सम्बन्धों को समझना।

v) आलोचना की मानवीय सहज प्रवृत्ति का साहित्यिक विश्लेषण करना।

PSO XII.

i) भाषा शिक्षण के महत्व को प्रतिपादीत करना।

ii) हिंदी भाषा के व्याकरणिक कोटियों को समझना।

iii) भाषाई शुध्दता एवं कुशलता के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाना।

iv) बदलते भाषाई परिवेश में परंपरागत भाषाई मौलिकता और लोकभावनाओं को समझना।

Course outcome (छात्र सक्षम होंगे)

CO Paper- I & III: कथा साहित्य

i) हिंदी साहित्य की कहानी और उपन्यास विधा से छात्रों का परिचय होगा।

ii) कथा साहित्य की लेखन शैली से परिचय होगा।

iii) छात्रों में चिंतन एवं लेखन शैली का विकास होगा।

iv) विभिन्न पात्रों की मानसिकता तथा लेखन क्रिया कलापों से छात्रों में सही और गलत को परखने की क्षमता विकसित होगी।

v) साहित्य के माध्यम से विविध समस्याओं से अवगत होकर उन समस्याओं के समाधान के लिए छात्रों को प्रेरणा मिलेगी।

CO paper II & IV: नाटक तथा एकांकी

i) हिंदी नाटक और एकांकी विधा का परिचय होगा।

ii) नाटक के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न होगी।

iii) संवाद लेखन तथा वाचन कौशल का विकास होगा।

iv) छात्रों को रंगमंच से संबधित जानकारी प्राप्त होगी।

v) अभिनय के प्रति रूचि निर्माण होगी साथ ही अभिनय के क्षेत्र में करियर बनाने का अवसर प्राप्त होगा।

CO Paper- I & II : साहित्य भारती (SL)

I) अहिंदी क्षेत्र के छात्रों को हिंदी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।

II) द्वितीय भाषा के रूप में छात्रों को हिंदी और साहित्य का सामान्य परिचय होगा।

III) अहिंदी क्षेत्र के छात्रों में हिंदी के प्रति रूचि उत्पन्न होगी।

IV) विविध साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास होगा।

CO Paper V मध्ययुगीन कविता

I) भारतीय भक्ति साधना का परिचय होगा।

II) भक्ति साहित्य के अध्ययन के माध्यम से छात्रों में मानवता का भाव विकसित होगा।

III) समाजिक सहिष्णुता की वृत्ति का विकास होगा।

IV) भक्ति तथा नीति की शिक्षा से छात्रों का आत्मिक तथा अध्यात्मिक विकास होगा।

V) जीवन दर्शन तथा जीवन मूल्यों का विकास होगा।

Co Paper VI & VIII: निबंध तथा कथेत्तर गद्य

i) निबंध विधा का परिचय होगा।

ii) छात्रों में वैचारिक प्रगल्भता तथा बौध्दिक प्रौढता का विकास होगा।

iii) कथेत्तर गद्य की रचनाओं के अध्ययन से चिंतनशीलता की वृध्दि होगी।

iv) विविध कथेत्तर गद्य की विधाओं का परिचय होगा।

CO Paper- III: कथेत्तर गद्य (SL)

i) अहिंदी क्षेत्र के छात्रों को द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी भाषा तथा हिंदी साहित्य का ज्ञान होगा।

ii) कथेत्तर गद्य के अध्ययन से छात्रों में चिंतनशीलता, वैचारिकता का विकास होगा।

iii) अहिंदी क्षेत्र के छात्र हिंदी की कथेत्तर गद्य की विधाओं तथा रचनाओं से परिचित होंगे।

iv) कथेत्तर गद्य की विविध रचनाओं के द्वारा छात्रों में देशभक्ति, सामाजिक दायित्व, कर्तव्यपरायनता, नैतिकता आदि मूल्यों का विकास होगा।

CO Paper- IV: नाटक तथा प्रयोजन मूलक हिंदी (SL)

i) हिंदी साहित्य के बृहत इतिहास का परिचय होगा।
ii) हिंदी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमि का बोध होगा।
iii) साहित्यिक प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
iv) छात्रों को जीवन दर्शन तथा जीवन मूल्यों की शिक्षा प्राप्त होगी।
v) साहित्य के इतिहास का अध्ययन भविष्यकालीन निर्माण में महत्वपूर्ण साबित होगा।

CO Paper I & II : हिंदी भाषा कौशल (SEC)

i) छात्र साहित्य के साथ-साथ भाषा जैसे विषय में प्रात्यक्षिक की शिक्षा को ग्रहण करते हैं।
ii) पत्र लेखन के भेदों का परिचय पाकर विविध प्रकार के पत्र लेखन की शैली पर अमल करते हैं।
iii) ई-मेल आय.डी. पंजीकरण, मेल भेजने की विधी, वेब संर्चिग आदि कार्य विधी में कौशल हाशिल किए।
iv) अच्छे वक्ता के गुणों को आत्मसात करते हुए संभाषण कौशल में उन्नत्ति की प्रेरणा मिली।
v) पटकथा की संकल्पना और स्वरूप को जानते हुए संवाद किस ढंग के होते है और कैसे लिखे जाते है इस बात का कौशल आत्मसात किया हैं।

CO Paper IX हिंदी साहित्य का इतिहास

i) हिंदी साहित्य के बृहत इतिहास का परिचय होगा।
ii) हिंदी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमि का बोध होगा।
iii) साहित्यिक प्रवृत्तियों का ज्ञान होगा।
iv) छात्रों को जीवन दर्शन तथा जीवन मूल्यों की शिक्षा प्राप्त होगी।
v) साहित्य के इतिहास का अध्ययन भविष्यकालीन निर्माण में महत्वपूर्ण साबित होगा।

CO Paper X: हिंदी भाषा

i) हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न होगी।
ii) हिंदी भाषा के प्रयुक्ति क्षेत्रों से परिचय होगा।
iii) प्राद्योगिकी के युग में हिंदी भाषा की उपयोगिता से छात्र परिचित होंगे।
iv) बहुभाषिक विशाल भारत की संपर्क भाषा के रूप में हिंदी भाषा उपयोगीता सिध्द होगी।
v) हिंदी भाषा अध्ययन के द्वारा नये नये रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

CO Paper XI: साहित्याशास्त्र

i) छात्रों में साहित्य का शास्त्रीय पद्धति से अध्ययन करने की दृष्टि विकसित होगी।

ii) छात्र साहित्यशास्त्र के महत्व को आत्मसात करेंगे।

iii) शब्द और अर्थ के संबधों का बोध होगा।

iv) भाषाई शिल्प के परिवर्तनों का बोध होगा।

CO Paper XII: भाषा शिक्षण

i) भाषा शिक्षण के महत्व से परिचय होगा।

ii) हिंदी भाषा की व्याकरणिक कोटियों से परिचय होगा।

iii) भाषाई शुध्दता एवं कुशलता के द्वारा रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

iv) हिंदी भाषा के साथ साथ विज्ञान तथा व्यापार की अद्यतन जानकारियाँ प्राप्त होंगी।

v) छात्रों में लेखन कौशल विकसित होगा।

CO Paper III & IV: हिंदी भाषा कौशल (SEC)

i) छात्रों में व्यवसायाभिमुख कौशल विकसित करना।

ii) कौशल के अनेक क्षेत्रों से हिंदी को जोड़ना।

iii) छात्रों में लेखन कौशल विकसित करना।

iv) छात्रों को रोजगार के अवसरों से परिचित एवं प्रेरित करना।

v) छात्रों को कौशल के माध्यम से सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करना।

vi) कौशल विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना।